नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिस, बिबिस
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २१६ वि.सं. २०८१ फागुन १३ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 25 February 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

अभिनफे घरमे बच्चा जल्मैना बाध्यता

चुरेमे १४, मोहन्याल गाउँपालिकामे ६ जाने घरमे बच्चा जल्मैलै

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ फागुन । कैलालीके पहाडी स्थानीय तहमे अभिनफे घरमे बच्चा जलमैना बाध्यता रहल बा ।

स्वास्थ्य कार्यालय कैलालीके सावन १ गतेसे माघ ३० गतेसम तथ्याङक अनुसार अभिन १३ स्थानीय तह मन्से सात स्थानीय तहमे घर बच्चा जल्माइल डेखल बा ।

सात महिनाके अवधिमे सबसे ढेर चुरे गाउँपालिकामे १४ जाने घरे बच्चा जन्मैले बटै । मोहन्याल गाउँपालिकामे ६ जाने, धनगढी उपमहानगरपालिकामे ५ जाने, गौरीगंगा नगरपालिका ओ घोडाघोडी नगरपालिकासे ३/३ जाने घरे बच्चा जन्माइल तथ्याङकमे डेखल बा ।

ओस्टेक करके गोदावरी नगरपालिका ओ लम्की चुहा नगरपालिकामे २/२ जाने घरे बच्चा जन्मैले बटै । सात महिनाके तथ्याङमे घरे बच्चा जन्माइल संख्या ३५ रहल स्वास्थ्य कार्यालय कैलाली जनैले बा ।

कैलालीके ६ स्थानीय तहमे गर्भवती हुइल महिला भर सक्कु जाने स्वास्थ्य संस्थामे जाके बच्चा जन्माइल डेखल बा । घरे बच्चा जन्मैना शुन्य रहल स्थानीय तहमे कैलारी गाउँपालिका, बर्दगोरिया गाउँपालिका, जानकी गाउँपालिका, जोशीपुर गाउँपालिका, टीकापुर नगरपालिका ओ भजनी नगरपालिका रहल बा ।

ओस्टेक करके स्वास्थ्य कार्यालयसे डेहल जानकारी अनुसार कैलाली जिल्लामे सात महिनामे ८ सय ८१ जाने २० बरस

टरेक महिला बच्चा जन्माइल डेखल बा । उ तथ्याङक हेरेबेर भोज कैना उमेरसे पहिल भोज करल डेखल बा ।

नेपाल सरकार महिलाके भोज कैना उम्मेर अढ्बे २० बरष तोक्ले बा । मने सात महिनामे लेहल प्रसुती सेवाके तथ्याङक हरेबेर २० बरस टरेक सयौं महिला बच्चा जन्माइल डेखल बा । ओम्नेसे धनगढी उपमहानगरपालिकाके ३४९, टीकापुर नगरपालिकाके ९५ जाने, गौरीगंगा नगरपालिका ओ घोडाघोडी नगरपालिकाके ८३/८३ जाने, भजनी नगरपालिकाके ५९ जाने, कैलारी गाउँपालिकाके ३८ जाने, मोहन्याल गाउँपालिकाके ३५ जाने, चुरे गाउँपाहिकाके २९ जाने, बर्दगोरिया गाउँपालिकाके २५ जाने ओ जोशीपुर गाउँपालिकाके २१ जाने बिस बरस टरेक महिला बच्चा जन्माइल स्वास्थ्य कार्यालय जनैले बा ।

नेपालके मूलुकी ऐनमे भोजके लाग कानूनी उमेर २० बर्ष तोकल बा । मने भोज कैना औसत उमेर १९ वर्ष रहल बा । राष्ट्रिय जनगणाना २०७८ के तथ्याक्तसे नेपालीके पहिल भोज कैना औसत उमेर १९ वर्ष डेखल हो ।

तथ्याक्तसे सबसे ढेर ३४.४ प्रतिशतके भोज १८ से २० वर्षके उमेरमे हुइल डेखल बा । २२.३ प्रतिशतसे १५ से १७ वर्षमे पहिल भोज करल राष्ट्रिय जनगणाना २०७८ के तथ्याक्तसे डेखल बा ।

ओस्टेक करके १०-१४ वर्ष उमेरमे पहिल भोज कैना सात प्रतिशत बटै । ५० वर्ष पुगके भोज कैना तीन हजार ६४६ जाने रहल बटै । १० वर्षसे कम उमेरमे भोज कैना ०.३ प्रतिशत बटै । जेम्ने महिला ०.५ प्रतिशत ओ पुरुष ०.१ प्रतिशत बटै ।

सरकारसे २०७२ सालमे बाल विवाहविरूद्ध रणनीति पास करल रहे । उ रणनीतिअनुसार सन् २०३० सम बाल विवाह अन्त्य कैना उल्लेख बा । ओकर लाग बालिका तथा किशोरीहुकनके सशक्तीकरण, विद्यालय शिक्षाजैसिन क्षेत्रमे सरकारसे काम कैना उल्लेख बा ।

नेपालके संबैधानिक इतिहासमे जारी हुइल नेपालके संविधानसे बाल विवाहहे पहिल चो बालअधिकार हननके बिषयके रुपमे उल्लेख करके दण्डनीय अपराधके रुपमे स्वीकार करले बा । बाल विवाह उच्च रहल मुलुक मध्ये नेपाल अग्रपंक्तिमे रहल बा ।

दक्षिण एशियामे नेपाल बंगलादेश ओ भारत पाछे टिसरा स्थानमे परठ । बालकके तुलनामे संख्यात्मक रुपमे ढेर बालिकाके भोज १८ वर्ष नैपुग्टी हुइना करल अध्ययनसे डेखल बा । यैसिक हुइनामे महिलासे पुरुषके उमेर सामान्यतया ढेर हुई पर्ना सामाजिक एवं सांस्कृतिक मान्यता, लैंगिक विभेद, गरीबी, अशिक्षा, असुरक्षा जैसिन कारणसे प्रमुख रुपमे डेखल बा । बाल विवाहसे बालबालिकाहे आधारभूत अधिकारसे बञ्चित करैटी ओइनके अपन भविष्यके छनोट कैना अधिकार तथा उ सम्बन्धमे निर्णय लेना प्रकृयामे सहभागी हुइना अवसरसेफे बञ्चित हुइठै । बाल विवाहके कारण बैवाहिक जीवन दिगो नैहुइना, परिपक्व नैहुके सन्तान जन्माईबेर स्वास्थ्य सम्बन्धी टमान समस्या विल्गैना, लैंगिक हिंसा, यौनजन्य हिंसा, बालश्रम, वेचविखन जैसिन थप हिंसासे वालिका ओ महिला थप प्रताडित हुई पुग्ठै ।

भुर्काभुर्की सामुदायिक वनके १२औं वार्षिक साधारण सभा निम्जल

पहुरा समाचारदाता

पहलमानपुर, १२ फागुन । कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका वडा नम्बर १० लठैयामे रहल भुर्काभुर्की सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके १२औं वार्षिकोत्सव साधारण सभा तथा सार्वजानिक सुनुवाई सोम्मारके सम्पन्न हुइल बा ।

समूहके अध्यक्ष मोहनलाल जोगीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे वर्का पहुना सिएफसीसी पहलमानपुरके अध्यक्ष पुष्कलबहादुर बम रहल रहिट । कार्यक्रममे उहाँ एक परिवार एक सामुदायिक वन ओ सामुदायिक वनके सेवा पाइक लाग कार्यालयमे सूचना निकारल हेरे अइना आग्रह करलै ।

विशिष्ट पहुना घोडाघोघोडी १० के वडा सदस्य जालुराम चौधरी वनुवा भिटर रहल जीवजन्तुहे बचाइ सेकलेसे केल वनुवा बचल अर्थ लग्ना बटैलै ।

सव डिभिजन वन कार्यालय सुखडके वन प्राविधिक जुगराम चौधरी वनुवा लेहेक खोज्ना मने संरक्षण करे नैखोज्ना डेखल ओरसे सुधार करेपर्ना आग्रह करलै ।

कार्यक्रममे समूहके पूर्व उपाध्यक्ष गगन अधिकारी सामुदायिकप्रति सक्कु जानेक अपन्त्व हुइलेसे केल वन संरक्षण हुइना बटैलै ।

अमर शहिद आवि विद्यालयके व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष धनिराम चौधरी अपन बाल बच्चा जस्टे हेरविचार नैकरटसम बनुवा बचाइ नैसेक्ना बटैलै ।

स्वागत मन्तव्य चोरी शिकारी नियन्त्रण दल सयोजक बलबहादुर सुनार करल रहिट । कार्यक्रम सञ्चालन समूहके सचिव चन्द्रबहादुर सिंह ओ २३ लाख १० हजार ४ सय ४६ छ्यालिस रुपैयाँ बराबर आयव्यय सुनाइल रहिट ।

आज राप्रपाके मोटरसाईकल ज्याली

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ फागुन । राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी राप्रपासे कैलालीके अत्तरियासे धनगढीसम वृहत मोटरसाईकल ज्याली निकर्ना जनैले बा ।

आज (मंगर)के राष्ट्रवादी युवा समूह ओ राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीसे राष्ट्रिय झण्डासहितके वृहत ज्याली निकर्ना राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीके सुदूरपश्चिम प्रदेश अध्यक्ष धर्मराज जोशी जानकारी डेलै ।

आम जनताके चाहना बमोजिम राष्ट्रिय हितके रक्षा कैना, भ्रष्टाचार नियन्त्रण कैके मुलुकमे सुशासन कायम कैना, राष्ट्रके विकास निर्माण अभियानहे तीब्रता डेना, राजनीतिक स्थिरता प्रदान कैना तथा राजनीतिक स्थायित्वके लाग संविधान संशोधन ओ तदनुकुलके कानुन निर्माणहे प्राथमिकता डेना कहटी सातबुँदे सहमति मार्फत गठन हुइल एमाले-कांग्रेसके गठबन्धन सरकार, सरकार निर्माणके आपन उद्देश्यसे च्युत हुइल कहटी राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टी राप्रपासे मोटरसाईकल ज्याली ओ १८ गते धनगढीमे आमसभा कैना जनैले बा ।

राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीके सुदूरपश्चिम प्रदेशसे ज्यालीके तयारी पुरा करल प्रदेश अध्यक्ष जोशी बटैलै । ओकर साथे पाछेक कुछ समय यहोर अन्तरराष्ट्रिय स्तरमे देशके स्वाभिमान घट्टी गैल बेला राष्ट्रवादी योद्धा जग्ना जरुरी रहल सन्देश डेना फेन ज्याली आयोजना करे लागल उहाँ बटैलै । अत्तरिया बसपार्कसे मंगरके दिनके १२ बजेसे धनगढीसमके लाग ज्याली आयोजना हुइना बटैटी उहाँ ज्यालीमे सहभागी होडेहक लाग फेन आग्रह फेन करले बाटै ।

लागूऔषध प्रयोग नगरौं

लागूऔषधको सेवनले,

➢ मानिसको मस्तिष्क, मुटु, फोक्सो र कलेजोमा गम्भीर असर गर्छ,

➢परिवार, साथीभाई र आफन्तसँग सम्बन्ध बिग्रन सक्छ,

➢सामाजिक सम्मानमा गिरावट ल्याउँछ,

➢सामाजिक अपराध र विकृति बढ्छन्,

त्यसैले,

लागूऔषधको उत्पादन, सञ्चय, ओसारपसार बिक्रिवितरण तथा सेवन नगरौं र गर्न नदिऔं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

नेपालके कामकाजी महिला

मानसिक स्वास्थ्य ओ सामाजिक जिम्मेवारी

पशुपति खाती

नेपालमे महिलाहुकनके जीवनमे मानसिक स्वास्थ्यके महत्व दिनानुदिन बह्रटी रहल बा । कामकाजी महिलाहुकनहे कटरा चुनौतीपूर्ण ओ दबाबपूर्ण जीवनयापन करे परठ कना बाट हम्रे सक्कु जनहनहे पत्तम बा । अइनके दैनिक जिम्मेवारी–घर, परिवार, ओ कार्य–तीव्र मानसिक दबाब ओ शारीरिक थकानके कारण बने सेकठ ।

नेपालमे महिलाहुक्रे सामाजिक ओ पारिवारिक दृष्टिकोणसे कटरा दबाबमे बटै कना बाट प्रायः थाहा नैहुइठ । यहाँके महिलाहुक्रे परम्परागत ओ आधुनिक जिम्मेवारी बीच संघर्ष करटी रहल बटै । घरके कामकाजी महिला अपनहे आत्मसमर्पण करेपर्ना स्थिति बहुट सामान्य बा । यकर कारण ओइनके मानसिक स्वास्थ्यमे समस्या उत्पन्न हुइना सम्भावना बह्रटी बा ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लुइचओ) क अनुसार, ५०% से ढेर महिलाहुक्रे मानसिक स्वास्थ्य समस्यासे पीडित बटै ओ नेपालके अवस्थासे यकर साक्षात्कार करठ । नेपाल स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद् (एनएचआरसी) के २०२१ मे करल अध्ययनसे कहल हो । कि नेपालके महिलाहुकनके मानसिक स्वास्थ्यमे ४५% महिलासे तनाव, चिन्ता ओ डिप्रेसनके लक्षण महसुस कैना करले बटै ।

नेपालमे महिलाहुकनके मानसिक स्वास्थ्य समस्याके भारी कारण पारिवारिक दबाब, घरेलु हिंसा ओ कार्यस्थलमे लैंगिक भेदभाव हो । नेपाल सरकार ओ विश्व बैंकके अनुसार, महिला श्रमिकहुकनके ४०% से ढेर कार्यस्थलमे तनाव ओ मानसिक दबाबके सामना करठ ।

पश्चिमी देशसंग तुलना करेबेर, नेपालके महिला अभिनफे मानसिक स्वास्थ्य ओ पारिवारिक दबाबके कारण उच्च जोखिममे बटै । उदाहरणके लाग, युएन विमेनके २०२० रिपोर्टसे डेखाइठ कि नेपालमे महिला कामकाजी व्यक्तिहुकनके ५०% से ढेर मानसिक तनाव ओ पारिवारिक जिम्मेवारीके कारण थकान महसुस करठै । यैसिक, महिलाहुकनके जीवनमे मानसिक स्वास्थ्यके चिन्ता अभिन ढेर महत्वपूर्ण बन्टी रहल बा ।

नेपालके कामकाजी महिलाहुक्रे समाजमे उचाई हासिल करेक लाग संघर्ष करटी बटै, मने अभिनफे ढेरके लाग पारिवारिक ओ सामाजिक जिम्मेवारी अत्यधिक बोझपूर्ण बटै । यिहे कारणसे अइनके मानसिक स्वास्थ्यके हिफाजत ओ सुधारके लाग संरचनागत ओ सामाजिक सुधार आवश्यक बा । महिला सशक्तिकरणो कार्यक्रम ओ समावेशी समाज निर्माण कैना हमार सामूहिक जिम्मेवारी हो ।

कैसिक हम्रे कामकाजी महिलाहुकनके जीवन ओ मानसिक स्वास्थ्यहे सुधार करे सेक्बी ? यकर उत्तर केवल सरकार ओ संस्थाहुकनके नीति परिवर्तनमे केल नाही, प्रत्येक नागरिकके सोचमेफे परिवर्तन ल्याने परठ । महिलाहे सशक्त बनैना ओ मानसिक स्वास्थ्यके हिफाजत कैना, ओइनके पक्षमे संरचनात्मक सुधार आवश्यक बा ।

नेपालके महिलाहुकनहे सशक्त बनैना, मानसिक स्वास्थ्य ओ पारिवारिक जीवनके सन्तुलन खोज्न कार्यमे हम्रे सक्कु जाने योगदान पुगई सेक्ठी ।

लेखक खाती कोसिस नेपालमे कार्यरत बटै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

प्राविधिक शिक्षामे आबके गन्तव्य

विचार

प्रमोदभक्त आचार्य

शिक्षाहे परापूर्वकालसे व्यक्तित्व विकास तथा सुखी जीवनके प्रमुख साधनके रूपमे लेहल बा । विधि, रीति तथा थिति व्यवस्थापन कैके व्यक्ति तथा समाजके परिवर्तन करना ओ सामाजिक तथा आर्थिक विकासके ढोका खोल्ना काम शिक्षा करठ । असल शिक्षाके माध्यमसे दिगो तथा सन्तुलित ओ समतामूलक विकास सम्भव बा । शिक्षासे व्यक्तिहे काम करना सक्षम बनाइ परठ । आजके समयमे कोरा सैद्धान्तिक ज्ञान रहल शैक्षिक योग्यतासे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षासे व्यक्तिहे रोजगार होके अपन सुनौलो ओ सुखी भविष्यके मार्ग तय करना मद्दत करठ । आबके शिक्षाहे 'बोलके खैनासे फेन कैके खैना शिक्षा' बनाइ परल ।

युवाहे सिप सिखाके उत्पादन तथा रोजगारीमे जोड्ना आजके आवश्यकता हो । वर्तमान समयके लाग प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाके आवश्यकता बह्रल बा । देशके आर्थिक विकास ओ समृद्धिके लाग दक्ष प्राविधिक जनशक्ति तयार करना उद्देश्यसे विद्यालय तहमे व्यावसायिक ज्ञान ओ सिप सिखैना विसं २००४ से नेपालके शिक्षा प्रणालीमे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षासम्बन्धी विषयवस्तु समावेश करल पाजाइठ । तत्पश्चात् टमान निकाय ओ संस्थाके स्थापना होके प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाके कार्यक्रम सञ्चालन करे लागल । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामार्फत दक्ष प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन करना प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् (सिटिइभिटी) के २०४५ सालमे स्थापना हुइल हो । देशके आर्थिक समृद्धि ओ विकासके लाग प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाके अपरिहार्यताहे सम्बोधन करना राज्यसे अलग ओ स्वायत्त संस्थाके परिकल्पना करल रहे । राज्यसे जोन ध्येयके साथमे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा सञ्चालनके लाग टमान कानुनी तथा संरचनागत व्यवस्था कैके सिटिइभिटी तथा अन्य निकायके स्थापना करल रहे उ अनुसारके लक्ष्य प्राप्त करे सेकल बटि टे ?

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामार्फत युवाहे प्राविधिक सिप ओ ज्ञान सिखाके उत्पादन तथा रोजगारीके क्षेत्रमे जोरे सेक्जाइ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे स्वरोजगारके सिर्जना करना महत्वपूर्ण माध्यमके रूपमे लेजाइठ । कुछ ना कुछ सिप सिखल युवा अप्नही कौनो व्यवसाय सञ्चालन करना सक्षम रठैं । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे शिक्षाके महत्वपूर्ण क्षेत्रके रूपमे राज्य लेले बा । हरेक राजनीतिक दलके घोषणापत्र समेत सिपयुक्त जनशक्ति ओ उत्पादनमे उच्च प्राथमिकता डेले बा । यकर साथे नेपालके संविधान, शिक्षा नीति, आवधिक योजना, वार्षिक कार्य योजनामे प्राविधिक शिक्षाके विकास, विस्तार, गुणस्तर ओ सान्दर्भिकतामे जोड डेहल बा । १६ औं आवधिक योजनाके अन्त्यसममे प्राविधिक शिक्षा ओ साधारण शिक्षाके अनुपात ७०:३० पुगैना लक्ष्यसमेत लेहल बा । यिहिनसे प्राविधिक शिक्षाके विकास ओ विस्तारमे सबके ध्यान केन्द्रित बा कना पुष्टि हुइठ ।

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे सबके पहुँच स्थापित करना राज्यके सब जिम्मेवार निकायसे यकर विकास ओ विस्तारके लाग बलगर पहलकदमी लेहल बा । हालसम ६७५ पालिकामे प्राविधिक शिक्षाके संस्थागत पहुँच पुगसेकल बा । भौगोलिक दूरताके कारण प्राविधिक शिक्षासे वञ्चित हुइपरना अवस्था नैहो । हाल सिटिइभिटीसे सम्बन्धन तथा स्वीकृति लेके सञ्चालनमे रहल शिक्षण संस्थासे न्यून शुल्कमे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करल बा । स्थानीय सरकारके साझेदारीमे सञ्चालित कुछ शिक्षण संस्थामे पालिकासे प्राविधिक शिक्षा अध्ययनके लाग भारी संख्यामे छात्रवृत्तिसमेत प्रदान करल बा । यकर साथे स्थानीय तहमे रहल गैरसरकारी संस्था तथा समुदायसे समेत प्राविधिक शिक्षा अध्ययनके लाग छात्रवृत्ति उपलब्ध कराइल पाजाइठ । सिटिइभिटी अन्तर्गत सञ्चालित शिक्षण संस्थामे एसइईपश्चात् १८ महिना ओ तीन वर्ष अवधिके प्राविधिक शिक्षाके कार्यक्रम सञ्चालन हुइटि बा । लम्मा अवधिके प्राविधिक शिक्षाके अइसिन कार्यक्रममे भर्ना क्षमता ७५ हजार सात सय २४ पुगल बा । यम्ने शिक्षण संस्थासे सञ्चालन करना कार्यक्रममे तोकल भर्ना कोटामध्ये १० प्रतिशत विद्यार्थीहे निःशुल्क छात्रवृत्तिके व्यवस्था करल बा । यी व्यवस्थासे वार्षिक करिब सात हजार विद्यार्थी निःशुल्क प्राविधिक शिक्षाके अध्ययन करना अवसर पैले बटैं । यकर साथे छोट अवधिके सिपमूलक तालिम निःशुल्क रूपमे सञ्चालन हुइटि बा ।

प्राविधिक शिक्षामे पहुँच स्थापित कैके किल फेन यकर विकास ओ विस्तार सम्भव हुइना नैडेखाइठ । अध्ययन पूरा करलपाछे आशातीत उपलब्धि हासिल हुइल वा नैहइल, उत्पादित जनशक्तिसे बजारके मागहे परिपूर्ति करे सेकि वा नैसेकि कना महत्वपूर्ण रहठ । प्राविधिक शिक्षाके गुणात्मक विकासके लाग मुख्यत शिक्षण संस्थाहे सम्बन्धन तथा स्वीकृति प्रदान कैके मापदण्डमे आधारित रहिके करे परठ । प्रयोगात्मक अभ्यासके लाग पर्याप्त ल्याब, अध्यापन करैना दक्ष प्राविधिक जनशक्ति ओ कार्यस्थलके सिकाइके लाग उद्योग व्यवसायसँगके सहकार्य हुइना सुनिश्चितता स्थलगत रूपमे हेहे परठ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा कक्षाकोठामे कम ओ कार्यस्थलके सिकाइके लाग ल्याब, वर्कसप तथा फिल्डमे अधिक समय अध्यापन कराइपरना विषय हो । कार्यस्थलके सिकाइके उपयुक्त प्रबन्ध करे नैसेक्जाइ कलेसे विद्यार्थीसे अपेक्षित सिप सिखे नैसेकठ । सिपबिना प्राविधिक शिक्षाके कौनो मूल्य नैरहठ । फलतः प्राविधिक शिक्षाके गुणात्मकता ओ विश्वसनीयता उप्पर प्रश्न चिह्न लागे सेकि । यसर्थ सिटिइभिटीसे मापदण्ड निर्धारण कैके संस्था तथा कार्यक्रम सञ्चालनके लाग सम्बन्धन तथा स्वीकृति प्रदान करटि आइल बा । यकर साथे जनशक्ति तथा संस्थाके क्षमता विकासके लाग नियमित रूपमे प्रशिक्षक तथा कर्मचारीहे क्षमता विकासके तालिम प्रदान करटि बा । शिक्षणमे नयाँ नयाँ प्रविधि आइल रहठ । प्रशिक्षक हरेक नयाँ विषयमे अद्यावधिक हुइ परठ । ओकर लाग प्राविधिक प्रशिक्षण प्रतिष्ठानमार्फत प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्रमे संलग्न पेसाकर्मीके पेसागत दक्षता अभिवृद्धि करना कामसमेत हुइटि बा । अइसिन कार्यसे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे लेहल उद्देश्य हासिल करना सहज हुइटि बा ।

> प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे कैके खैना शिक्षा कलेसे फेन विद्यार्थीके रुचि नैडेखैना अब्बेक मूल विषय रहृ बा। यकर लाग टमान अध्ययनसमेत हुइल बा। विद्यार्थी संख्यामे कमी अइनाके कारणहे मिहिन ढंगसे विश्लेषण कैके उ अनुसारके कार्यक्रम तय कैके कार्यान्वयन करटि जाइ परल रहठ। प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे विद्यार्थीके आकर्षण वृद्धि करना जनसंख्या, भूगोल ओ आवश्यकता आधारमे प्राविधिक शिक्षालय स्थापना ओ कार्यक्रम विस्तार, शिक्षण संस्थामे न्यूनतम भौतिक तथा शैक्षिक पूर्वाधारके व्यवस्था, शिक्षण सिकाइ सामग्रीके पर्याप्तता, दक्ष प्रशिक्षकके उपलब्धता, कार्यस्थलके सिकाइके सुनिश्चितता, विद्यार्थी सहायता प्रणालीके कार्यान्वयन, पढ्टि कमैटि ओ कमैटि पढ्ना कार्यक्रमके कार्यान्वयन, सरोकारवालासँगके समन्वय ओ सहकार्य ओ शैक्षिक क्यालेन्डरके पूर्ण कार्यान्वयनके आवश्यकता परठ। विद्यार्थीके लाग अतिरिक्त क्रियाकलापमे सहभागिता, शिक्षण सिकाइमे नवीनतम प्रविधिके प्रयोग, उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम सञ्चालन, वित्तीय पहुँचके लाग सहजीकरण, छात्रवृत्तिलगायतके कार्यक्रममे लक्षित समुदाय (सीमान्तकृत वर्ग) के सहभागिता ओ उद्योग, व्यवसायसँगके लागत साझेदारीमे कार्यक्रम सञ्चालन करना विषयहे समेत विशेष ध्यान डेहे परठ।

शिक्षण संस्थामे का कैसिन अध्यापन हुइटि बा ? स्रोतसाधन ओ जनशक्तिके अवस्था का कैसिन बा कना बारेमे नियमित अनुगमन तथा मूल्यांकन हुइटि बा । हरेक शिक्षण संस्थामे वार्षिक रूपमे अनुगमन कैके आवश्यक सुधारके लाग संस्थागत पहलसमेत करल बा । शिक्षालयसे सुधार करेपरना विषयमे सुझाव प्रदान करना कार्य हुइटि बा । यिहिनसे संस्थाके समग्र क्षमता विकासमे सहयोग पुगल बा । सिटिइभिटी अपन कार्यक्रमहे क्यालेन्डर निर्माण कैके कार्यान्वयन करटि रहल बा । खास कैके परीक्षा समयमे करना ओ समयमे नतिजा प्रकाशनके लाग सिटिइभिटीसे पाछेक समय क्यालेन्डरके परिपालना करल बा । यकर साथे विद्यार्थीहे कार्यस्थलके सिकाइके लाग उद्योगसँग जोरना काममे समेत करटि बा । शैक्षिक गुणस्तर अभिवृद्धिके लाग टमान अध्ययन अनुसन्धानहे निरन्तरता डेटि रहल बा । टमान अनुसन्धानसे प्राप्त निष्कर्षके आधारमे योजना तर्जुमा कैके कार्यान्वयन करटि बा ।

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे समावेशी एवं समतामूलक पहुँच, गुणस्तर ओ सान्दर्भिकता लाग टमान प्रयास हुइलेसे फेन तथ्यांक भर यी क्षेत्रमे पाछेक वर्षमे विद्यार्थीके संख्या उत्साहजनक नैडेखाइठ । एसइईपश्चात्के १८ महिने प्रि–डिप्लोमे तहके कार्यक्रममे प्रशिक्षार्थी भर्ना दर सन्तोषजनक नैहो । प्रि–डिप्लोमे तहमे शैक्षिक सत्र २०७७/७८ मे भर्ना संख्या २४ हजार पाँच सय १९ रहलमे शैक्षिक सत्र २०८१/८२ मे उ तहमे भर्ना हुइना विद्यार्थीके संख्या चार हजार आठ सय ९३ रहल बा । अस्टेक एसइईपश्चात् तीन वर्षे डिप्लोमे तथा प्रमाणपत्र तहके विद्यार्थी भर्नाके अवस्थामे समेत सुधार हुइल नैडेखाइठ । शैक्षिक सत्र २०७७/७८ मे २६ हजार १२४ विद्यार्थी भर्ना हुइलेसे शैक्षिक सत्र २०८१/८२ मे २४ हजार ६७८ विद्यार्थी भर्ना होके अध्ययनरत बटैं । उल्लिखित तथ्यांकसे प्राविधिक शिक्षाके क्षेत्रमे करल लगानी तथा प्रयासके बाबजुत फेन विद्यार्थी संख्यामे वृद्धि हुइ नैसेकल विषय दर्शाइल बा ।

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे कैके खैना शिक्षा कलेसे फेन विद्यार्थीके रुचि नैडेखैना अब्बेक मूल विषय रहृ बा । यकर लाग टमान अध्ययनसमेत हुइल बा । विद्यार्थी संख्यामे कमी अइनाके *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठनः ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७११०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

दाङमे लाहिक् उत्पादन वृद्धि

घोराही, १२ फागुन । दाङमे लाही(तोरी) क उत्पादनमे वृद्धि हुइल बा । जिल्लामे लाही खेती करना किसानसँगे क्षेत्रफल बढ़ैना उत्पादनमे वृद्धि हुइल कृषि ज्ञान केन्द्र दाङ जनैले बा ।

केन्द्रके अनुसार आर्थिक वर्ष २०८१/८२ मे १६ हजार ६१५ हेक्टरमे तोरी खेती हुइलमे ३१ हजार ५६८.५ मेट्रिक टन तोरी उत्पादन हुइल बा । तोरी खेतीके लाग जिल्लामे गैल वर्षसे यी वर्ष करिब दोब्बरसे तोरी उत्पादनमे वृद्धि हुइल कृषि ज्ञान केन्द्र दाङके वरिष्ठ बाली संरक्षण अधिकृत बस्नेत जानकारी डेलैं ।

उहाँक अनुसार गैल वर्षसे यी वर्ष २०५ हेक्टरसे ढेर क्षेत्रफलमे तोरी खेती कैके करिब १३ हजार २५.२ मेट्रिक टन तोरी उत्पादन वृद्धि हुइल बा । आव २०८०/८१ मे १६ हजार ४१० हेक्टर क्षेत्रफलमे तोरी खेती होके १८ हजार ५४३.३ मेट्रिक टन तोरी उत्पादन हुइल रहे ।

तोरीके उन्नत जातके बिउ प्रयोग, सिँचाइके व्यवस्थासँगे सल्फरके प्रयोग करल कारण उत्पादन वृद्धि हुइल बाली संरक्षण अधिकृत बस्नेत बटैलैं । तोरी बालीके लाग सल्फरके प्रयोग उपयुक्त मानजाइठ ।

जिल्लामे घोराही क्षेत्रसँगे देउखुरी ओ पश्चिम दाङके शान्तिनगर, दंगीशरण गाउँपालिका, बबई गाउँपालिकाके टमान क्षेत्रमे तोरीके व्यावसायिक खेती हुइठ । दैनिक भान्सामे प्रयोग हुइना तोरीके उत्पादनसँगे बिक्री करलेसे मूल्य मजा आइल ओरसे पाछेक समय तोरी खेती करना किसान बह्रल बटैं ।

तोरी खेतीमे किसानहे प्राविधिकसँगे उन्नत जातके तोरीके बिउ सहयोग हुइल पाछे जिल्लामे तोरी खेतीसँगे उत्पादनमे वृद्धि हुइल बटैटि अधिकृत बस्नेत कलैं, बनैना प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाहे इको सिस्टमके रूपमे सञ्चालन करे परठ । जेकर लाग सरकार, तालिम प्रदायक शिक्षण संस्था, उद्योग/व्यवसाय ओ समुदायके बिचमे सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध अपरिहार्य रहठ । यी सब सरोकारवालासँगके अर्थपूर्ण सहभागितामे तयार करल एकीकृत योजना ओ कार्यक्रम कार्यान्वयनसे देशसे अपेक्षा करल अनुसारके दक्ष प्राविधिक जनशक्ति तयार होके उत्पादन तथा रोजगारीमे वृद्धि रहठ । तसर्थ अइसिन क्रियाकलापके कार्यान्वयनसे प्राप्त हुइना उपलब्धिका बारेमे आमविद्यार्थी तथा अभिभावकहे सुसूचित कैके गुणास्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करे सेक्लेसे आगामी दिनमे प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे विद्यार्थीके आकर्षण बह्रना निश्चित डेखाइठ ।

(लेखक प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद्के निर्देशक हुइटैं ।)

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

“हलि समयमे मजा अम्दानीसँगे बिक्रीमे समस्या नैरहल टमान किसान तोरी खेती करे लागल बटैं ।” तेलके लाग तोरीके जिल्लाबाहेर समेत माग हुइल ओ पाछेक समय सुपरजोन कार्यक्रम अन्तर्गत सरकार लगानी करटि बा । कृषि ज्ञान केन्द्र दाङ बालीवस्तु विशेष सघन व्यावसायिक उत्पादन क्षेत्र विकास कार्यक्रम अन्तर्गत यी वर्ष जिल्लामे ९० हेक्टर क्षेत्रफलके लाग पाँच क्विन्टल उन्नत जातके तोरीके बिउ किसानहे वितरण करल वरिष्ठ बाली संरक्षण अधिकृत बस्नेत बटैलैं ।

उ कार्यक्रम अन्तर्गत घोराही उपमहानगरपालिका-७, घुसा ओ शान्तिनगर गाउँपालिका-१ ओ २ के किसानहे तोरीके बिउ नि:शुल्क रूपमे वितरण करल रहे । तोरीके बिउसँगे किसानहे तालिम ओ आवश्यक परना सामग्री फेन प्रदान करल उहाँ बटैलैं । उहाँक अनुसार जिल्लामे प्रतिक्विन्टल १४ हजार रुपैयाके दरसे तोरी बिक्री हुइठ ।

“लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

प्राविधिक शिक्षामे...

कारणहे मिहिन ढंगसे विश्लेषण कैके उ अनुसारके कार्यक्रम तय कैके कार्यान्वयन करटि जाइ परल रहठ । प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामे विद्यार्थीके आकर्षण वृद्धि करना जनसंख्या, भूगोल ओ आवश्यकता आधारमे प्राविधिक शिक्षालय स्थापना ओ कार्यक्रम विस्तार, शिक्षण संस्थामे न्यूनतम भौतिक तथा शैक्षिक पूर्वाधारके व्यवस्था, शिक्षण सिकाइ सामग्रीके पर्याप्तता, दक्ष प्रशिक्षकके उपलब्धता, कार्यस्थलके सिकाइके सुनिश्चितता, विद्यार्थी सहायता प्रणालीके कार्यान्वयन, पहुटि कमैटि ओ कमैटि पहना कार्यक्रमके कार्यान्वयन, सरोकारवालासँगके समन्वय ओ सहकार्य ओ शैक्षिक क्यालेन्डरके पूर्ण कार्यान्वयनके आवश्यकता परठ । विद्यार्थीके लाग अतिरिक्त क्रियाकलापमे सहभागिता, शिक्षण सिकाइमे नवीनतम प्रविधिके प्रयोग, उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम सञ्चालन, वित्तीय पहुँचके लाग सहजीकरण, छात्रवृत्तिलगायतके कार्यक्रममे लक्षित समुदाय (सीमान्तकृत वर्ग) के सहभागिता ओ उद्योग, व्यवसायसँगके लागत साझेदारीमे कार्यक्रम सञ्चालन करना विषयहे समेत विशेष ध्यान डेहे परठ ।

आगामी दिनमे प्राविधिक शिक्षाके कार्यक्रम सञ्चालन करेबेर युवाहे उद्यमशील बनैना मेरिक काम करे परल । श्रम बजारमे आवश्यक जनशक्तिके प्रक्षेपण कैके ओकर आधारमे पाठ्यक्रम विकास तथा परिमार्जन, शिक्षण सिकाइमे प्रविधिको प्रयोग, कार्यस्थलमे आधारित प्रशिक्षण, उत्पादित वस्तु तथा सेवाके बजारीकरण, वित्तीय पहुँच ओ उत्पादित जनशक्तिहे उत्पादन तथा रोजगारीमे संलग्नताके लाग सहजीकरणसमके काम करना आवश्यक बा । यिहिनहे दिगो

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ कित्ता नं. १२७२ क्षेत्रफल ३०४.५७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लोकेन्द्रबहादुर चन्दले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः उमेशबहादुर चन्द | पश्चिमः सडक
उत्तरः सागर महरा | दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ कित्ता नं. २१५ क्षेत्रफल २०३.१६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री तपेन्द्र गौतमले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः कर्ण सोप | पश्चिमः सडक
उत्तरः ध्रुव सोप | दक्षिणः श्याम मण्डल

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

चौधरी फेसन टेलर्समे विशेष छुट

हमार यहाँ जौनफे मेरिक कोटपाईन्ट, सर्ट, आसकोट, दाउरा सुरुवाल, जुहारी कोट, टाई, टोपी पैनाके साथे स्कुल ड्रेस, क्याम्पस ड्रेस, निजामती कर्मचारीके ड्रेस तथा थान कपडा सुपथ मोलमे विक्री कैनाके साथे सिलाई फे करजाइठ ।

प्रो. विष्णु चौधरी (९८४८४७१३४३)

चौधरी फेसन टेलर्स

धनगढी-१, बुद्धमार्ग, कैलाली (जिप्रका पुल नजिक)

हमार नयाँ शाखा धनगढी-७, मोतीचोकमे खुलल सहर्ष जानकारी कराइटि ।

नोट : हमार यहाँ इण्डियाबरेलीके दक्ष कलीगढहकनसे कोटपाईन्ट सुपथ मोलमे सिलाई करटी रहल ग्राहक वर्गहिकनहे सहर्ष जानकारी कराइटी ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड कपके सचिवालय उद्घाटन

पहुरा समाचारदाता

सुखड १२ फागुन । कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिकामे हुइना १५ औँ जिल्ला स्तरीय राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिताके सचिवालय उद्घाटन करल बा ।

घोडाघोडी नगरपालिकाके नगर प्रमुख खडकबहादुर रावत सोम्मार रिबन काटके सचिवालयके उद्घाटन करल हुइट । प्रतियोगिता कार्यहे प्रभावकारी ढंगसे आघे बढ्ना वडा नम्बर १० स्थित कान्तिराज्यलक्ष्मी माध्यामिक विद्यालयमे सचिवालय सञ्चालनमे ल्यानल हो ।

कैलाली जिल्ला खेलकुद समितिके आयोजना तथा घोडाघोडी नगरपालिकाके व्यवस्थापनमे यिहे फागुन १५ गते से १८ गते सम राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिता सुरु हुइटी बा । नगरपालिकासे प्रतियोगिता सफल पर्ना मूल समिति ओ टमान उप-समिति यी आघे गठन करल बा ।

खेल कान्तिराज्यलक्ष्मी माध्यामिक विद्यालय पहलमानपुर ओ राष्ट्रिय

माध्यामिक विद्यालय सुखडके खेल मैदानमे हुइही । प्रत्येक वर्ष धनगढीमे हुइटी आइल जिल्ला स्तरीय राष्ट्रपति रनिङ्ग शिल्ड प्रतियोगिता यी वर्ष कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका भिटरमे हुइना बा । कैलालीके १३ ठो स्थानीय तहसे छनौट हुके आइल खेलाडीहुक्रे जिल्ला स्तरीय रनिङ शिल्ड प्रतियोगितामे सहभागी हुइही ।

यी प्रतियोगितासे प्रदेश स्तरीय रनिङ शिल्ड प्रतियोगिताके लाग खेलाडीहुक्रे छनौट हुइही । सचिवालय उद्घाटन कार्यक्रममे घोडाघोडी नगरपालिकाके नगर प्रमुख खडक बहादुर रावत, वडा नम्बर १० के वडा अध्यक्ष विजयराज स्वाँर, शिक्षा शाखाके उप सचिव खगेन्द्रबहादुर सिंह, शिक्षा शाखाके अधिकृत उमेश राज रेग्मी, कैलाली जिल्ला खेलकुद समितिके अध्यक्ष ललित खत्री, कार्यालय प्रमुख आश्रम के.सी लगायत टमान व्यक्तिहुकनके उपस्थिति रहे ।

लागु औषधसहित चार जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, १२ फागुन । कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित चार जाने पक्राउ परल बटै ।

कञ्चनपुरके बेलौरी न.पा. ४ बेलौरी बजार स्थित म १ प ६०३० नम्बरके मोटरसाइकलहे शंका लागके चेकजाँच करेबेर मोटरसाईकल चालक वडा नम्बर ७ गणेशपुर बैठना बर्ष २४ के खुशीराम राना ओ मोटरसाइकल पाछे बैठल बर्ष २२ के देवराज रानहे १.४३ ग्राम लागू औषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ कैगिल बा ।

इलाका प्रहरी कार्यालय बेलौरी, कञ्चनपुर ओ लागु औषध नियन्त्रण ब्युरो शाखा कार्यालय धनगढीसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेके थप अनुसन्धान कैटी बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर जिल्ला कृष्णपुर न.पा.५ गजरौलासे वडा नम्बर ४ बैठना बर्ष २३ के दिपेन्द्र बोगटी ओ बर्ष २५ के डेनी जोशीहे ९० मिलिग्राम लागु औषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ करल हो ।

पत्रकारहे आइल धम्कीप्रति ध्यानाकर्षण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ फागुन । कैलालीके पत्रकार दीर्घराज उपाध्यायहे आइल धम्कीप्रति पत्रकार संगठनहुकनके ध्यानाकर्षण हुइल बा । पश्चिम टुडे मिडिया हाउसके सञ्चालकसमेत रहल उपाध्याय कुछ दिन आघे 'धनगढीको उज्यालो: भ्रम र वास्तविकता' शीर्षकमे लेख आपन सञ्चारमाध्यममे प्रकाशन करल रहिट ।

सोम्मारके रोज नेपाल प्रेस यूनियन, प्रेस चौतारी, समावादी प्रेस संगठन ओ फोनिज कैलालीसे सयूक्त रुपमे प्रेस विज्ञप्ती प्रकाशित करके ध्यानाकर्षण हुइल जनाइल हो । यिहीसे आघे नेपाल पत्रकार महासंघ केन्द्र, प्रदेश ओ जिल्ला कार्य समितिफे संयूक्त विज्ञप्ती निकारके पत्रकारहे धम्क्याइना, मानसिक तनाव डेहुइयाहे कानुनी दायरामे ल्याने पर्ना माग करटी प्रमुख जिल्ला अधिकारी गोगनबहादुर हमालहे ज्ञापनपत्र बुझाइल रहिट ।

थारू लोककला बचाइक लाग कार्यशाला

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १२ फागुन । थारू समुदायके लोककला बचाइक लाग कार्यशाला सम्पन्न करल बा ।

ललितकला प्रज्ञा प्रतिष्ठान काठमाडौँके आयोजनामे कैलालीके फकलपुरमे थारू लोककला कार्यशाला करल हो । थारू समुदायके मौलिक पहिचान झल्कैना लोककला पाछेके समय हेरैटी गैल बा । विगतमे थारू समुदायके कच्ची घरके भित्तामे माटीक हाठी, घोरुवा, मंयुर, डोला-डोली बोकल मनै, रुख्वा लगायतके चित्र रहे । उ अठ्बे नैडेखजाइठ् ।

परम्परागत लोककला हेरैटी गैल ओरसे उहीहे बचाइक लाग प्रतिष्ठान ओ स्थानीय जागृति युवा क्लबके आयोजनामे कार्यशाला करल गाउँवासी माधव थारू बटैलै । उहाँ जागृति युवा क्लब ओ वहाँके गाउँ समाजसे कच्ची घर फेन बनैना ओ भित्तामे चित्र बनैना अभियान चलैना जानकारी डेलै ।

उहाँ कहलै, "फकलपुरमे कौनो फेन थारू घर थारू समुदायके घर जस्टे नैहो । सक्कु पक्की हुइलपाछे आब हरेक घरक कच्ची घर फेनसे बनैना ओ ओम्ने परम्परागत चित्र बनैना अभियान चलाब ।" फकलपुरमे थारू होमस्टे सञ्चलानमे रहल बा । कार्यशालामे सहभागीसे घरक भित्तामे माटीक चित्र बनैना अभ्यास करल रहिट ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ चटकपुर कित्ता नं. ४१५ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री डम्बरबहादुर शाहुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: पदमादेवी मडै | पश्चिम: टेकराज भट्ट
उत्तर: सडक | दक्षिण: योगेन्द्रबहादुर शाही

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ कैलालीगाउँ कित्ता नं. ४५१ क्षेत्रफल १६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री नन्दादेवी खड्काले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक | पश्चिम: कृष्णबहादुर बोहरा जैशी
उत्तर: भिमबहादुर डुम्रेल | दक्षिण: गोरखराज शर्मा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १५ शुभम् कित्ता नं. ५२ क्षेत्रफल ४०५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री नरुदेवी साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: गौरीशंकर चौधरी | पश्चिम: सडक
उत्तर: दुतिराम चौधरी | दक्षिण: दिलबहादुर साउँद

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

गौरीगंगा नगरपालिकाद्वारा जनहितमा जारी सन्देश

चिसोमा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं

- चिसोबाट् बालबालिका र ज्येष्ठ नागरिक बढी प्रभावित हुने हुँदा उनीहरूको उचित स्याहार गरौं,
- चिसोमा वाहिर हिड्दा तातो र न्यानो कपडा लगाऔं,
- कोठामा हिटर वा आगो वाल्दा होसियारी अपनाऔं,
- चिसोवाट जोगिन दैनिक घाम ताप्ने गरौं,
- शारीरिक व्यायाम गरौं,
- जाडोबाट बच्ने नाममा धुम्रपान र मद्यमान नगरौं,

गौरीगंगा नगरपालिका
नगरकार्यपालिकाको कार्यालय
चौमाला, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्चे, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

NISARGA
Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

1ST DM PEDIATRIC NEUROLOGIST IN NEPAL

बाल नशा, मस्टिष्क, टाउको रोग विशेषज्ञ/बाल न्युरोलोजिष्ट

के तपाईको बच्चामा न्यूरोलोजी सम्बन्धी निम्न लक्षणहरू छन् ।

- अठिजम/मानसिक विकासको कमी
- टाउको दुख्ने र रिङ्गाठा लाउने
- नशा झमझम गर्ने, ढाँड तथा जोर्नीहरु दख्ने
- हिड्न र बोल्न विकासमा ढिलाई
- उचाई, तौल, सिकाई सम्बन्धी समस्याहरु
- बाल छारे रोग
- मस्टिष्क घाट/मस्टिष्क ज्वरो
- न्यूरो जेनेटिक (वंशाणुगत रोगहरु
- मुख बांगिने र मांशपेशीका रोगहरु

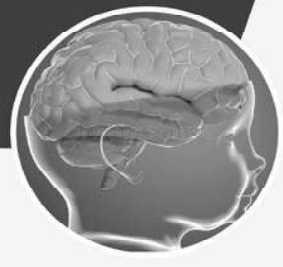

डा. सन्तोष मिश्र
Consultant Pediatrics Neurologist
MBBS, MD, DM (PGIMER Chandigarh, India)
NMC No.: 11709

डाक्टर आउने मिति फागुन १६-१७ गते

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
Tel. 091-527000/01/02, 9865680100

Advanced Healthcare for all...